विधानभवन पर सीएम ने फहराया तिरंगा

'यूथ ब्रिगेड स्कीम' की घोषणा, बलिदानी वीरों के परिजनों का सम्मान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः 80वें स्वतंत्रता दिवस पर शनिवार को राजधानी लखनऊ से लेकर प्रदेश के गांव-गांव तक राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक विविधता और जनभागीदारी का उत्सव दिखाई दिया। विधानभवन के सामने आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तिरंगा फहराया। 'वंदे मातरम' की गूंज के बीच विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृतियों ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को व्यापार और उद्यम से जोड़ने के लिए 'यूथ ब्रिगेड स्कीम' यानी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान को आगे बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 'यूथ पॉलिसी' के जरिए युवाओं के स्किल, इनोवेशन और रोजगार को एकीकृत दृष्टिकोण से मजबूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत स्वरोजगार के लिए ब्याजमुक्त और गारंटीमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप, साइबर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, एग्रीटेक, फिनटेक और डीप टेक जैसे क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए अवसर बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

1.32 लाख से अधिक स्कूलों में गूंजा 'भारत माता की जय' : प्रदेश के 1.32 लाख से अधिक परिषदीय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। उपलब्ध सामग्री के अनुसार करीब 1.4 करोड़ बच्चों ने तिरंगे को सलामी दी और राष्ट्रगान व वंदे मातरम् के सामूहिक गायन में हिस्सा लिया। स्कूलों में गीत, कविता, नृत्य, नाटक, तिरंगा रैली, वाद-विवाद और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। कुल मिलाकर स्वतंत्रता दिवस के आयोजनों में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक एकता, युवा उद्यमिता, महिला सुरक्षा और नई तकनीक के साथ विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश प्रमुख रहा। मुख्यमंत्री ने ऐसा उत्तर प्रदेश बनाने का संकल्प दोहराया, जहां विरासत की जड़ें मजबूत हों और आधुनिक तकनीक के साथ विकास की गति भी तेज हो।

'वंदे मातरम' से शुरू हुआ समारोह

- भारतखण्डे संगीत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 'वंदे मातरम' की प्रस्तुति से समारोह की शुरुआत की। 32वीं और 35वीं वाहिनी पीएसी तथा मिलिट्री बैंड ने अनुशासित प्रस्तुतियां दीं। मुख्यमंत्री ने तिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े तो पूरा परिसर भारत माता के जयघोष से गूंज उठा। इसके बाद हुई पुष्पवर्षा ने समारोह का उत्साह और बढ़ा दिया। संस्कृति विभाग के कार्यक्रम में बुंदेलखंड, पूर्वांचल, अवध और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने लोकनृत्य और लोक परंपराओं की प्रस्तुतियां दीं। भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण की झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही। समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों से संवाद कर उन्हें सम्मानित किया। कई कलाकारों ने अयोध्या और लखनऊ घूमने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उनके भ्रमण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

शहीदों के परिजनों का सम्मान

- विधानभवन के सामने आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने शौर्य चक्र और वीर चक्र विजेताओं तथा शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। विभिन्न सैन्य अभियानों में शहीद जवानों के माता-पिता, पत्नियों और अन्य परिजनों को भी सम्मान मिला। मुख्यमंत्री ने वीर जवानों के बलिदान को नमन करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

आजादी का अर्थ गरीबी, अशिक्षा और असमानता से मुक्ति : योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री ने 5, कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर ध्वजारोहण के बाद प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आजादी केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अराजकता, पिछड़ेपन, गरीबी, अशिक्षा और असमानता से पूर्ण मुक्ति का नाम है। उन्होंने मंगल पांडेय, रानी लक्ष्मीबाई और धनसिंह कोतवाल समेत स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को याद किया और देश की सुरक्षा में बलिदान देने वाले जवानों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ दशकों में देश ने गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, स्वास्थ्य और अवस्थापना के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, मेडिकल कॉलेज, एम्स, रेलवे कनेक्टिविटी, मेट्रो और वंदे भारत जैसी सुविधाओं का भी उल्लेख किया।